

*Sridev Suman Uttarakhand University, Tehri Garhwal,
Uttarakhand*



Faculty of Arts

SANSKRIT

Syllabus

Under National Education Policy-2020

(Vocational/Skill Enhancement Courses)

(W.E.F. SESSION 2023-24)

Sridev Suman

[Signature]

**Sridev Suman Uttarakhand University, Tehri Garhwal,
Uttarakhand**



Faculty of Arts

SANSKRIT

Syllabus

Under National Education Policy-2020

(Vocational/Skill Enhancement Courses)

(W.E.F. SESSION 2023-24)

Prepared by

Dr. Poonam Pathak

H.O.D., Sanskrit


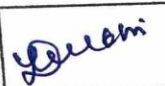
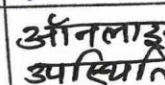


Pt.Lalit Mohan Sharma Campus,Rishikesh

Quom

Pathak

संस्कृत अध्ययन/पाठ्य समिति की बैठक

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय टिहरी गढ़वाल के पत्रांक: 2906/एसडीएसयूवी/ प्रशासन/ 2023 दिनांक 07 जुलाई 2023 के क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत नवीन शिक्षा पाठ्यक्रम के समायोजन तथा परिवर्तन एवं परिवर्धन हेतु दिनांक-11.07.2023 को प्रातः 10 बजे से विश्वविद्यालय के ऋषिकेश परिसर में अध्ययन/पाठ्य समिति की बैठक आहूत की गयी जिसमें निम्नलिखित विषय विशेषज्ञों एवं आमन्त्रित सदस्यों की उपस्थिति रही-

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नामित	संबद्धता	हस्ताक्षर
1	प्रो० दिनेश चन्द्र गोस्वामी	प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष कला	अध्यक्ष	श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड वि०वि० परिसर, ऋषिकेश	
2	प्रो० पूनम पाठक	विभागाध्यक्ष-संस्कृत	सदस्य	श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड वि०वि० परिसर, ऋषिकेश	
3	प्रो० ब्रह्मदेव	प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष-प्राच्यविद्या संकाय	सदस्य	गुरुकुल कॉगड़ी सम वि०वि०, हरिद्वार	
4	प्रो० एल० राजवंशी	प्राचार्य	महाविद्यालय की प्राचार्य	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरिखाल, पौड़ी गढ़वाल	
5	प्रो० जानकी पेंवार	प्राचार्य	महाविद्यालय की प्राचार्य	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल	
6	प्रो० के० एल० तलवार	प्राचार्य	महाविद्यालय के प्राचार्य	राजकीय महाविद्यालय, चकराता, देहरादून	
7		निदेशक	अनुसंधान संस्थान के निदेशक	उत्तराखण्ड भाषा संस्थान	

**SRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL,
TEHRI GARHWAL**

National Education Policy-2020

Syllabus

For

Vocational /Skill Enhancement Courses

(W.E.F. Session 2023-24)

SANSKRIT

S.I. No.	Semester	Course Code	Paper Title	Credits
1	I	SAN/UGV01	भारतीय ज्योतिष विज्ञान – I (सामान्य परिचय)	03
2	II	SAN/UGV02	भारतीय ज्योतिष विज्ञान – II (ज्योतिष चंद्रिका)	03
3	III	SAN/UGV03	भारतीय ज्योतिष विज्ञान – III (पंचांग, मुहूर्त एवं राशियाँ एवं फलादेश)	03
4	IV	SAN/UGV04	भारतीय ज्योतिष विज्ञान–IV (इष्टकाल, जन्म कुण्डली निर्माण एवं वास्तु विचार)	03

Quom

[Signature]

Vocational/Skill Enhancement Courses

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme : Certificate course in Arts-Sanskrit-Bhartiya Jyotish Vigyan		
Subject: Sanskrit		(Year : 1, Semester-1)
Course Code:SAN/UGV01		Course Title: भारतीय ज्योतिष विज्ञान-I (सामान्य परिचय)
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी। 2. विद्यार्थी भारतीय ज्योतिष विज्ञान से परिचित हो सकेंगे। 3. ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी। 4. व्यवहारिक जीवन के लिए उपयोगी दिन, सप्ताह, पक्ष, मास, अयन, ऋतु वर्ष एवं उत्सव आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 5. पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा। 6. आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम होंगे।		
Credits : 3		Vocational/Skill Enhancement Courses
Max. Marks: 25 (Internal)+75 (External) = 100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (In hours per week) : 3-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	ज्योतिष का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, त्रिस्कन्ध ज्योतिष।	12
Unit II	ज्योतिष का स्वरूप, उद्भव एवं विकास, ज्योतिष शास्त्र की वैज्ञानिकता	12
Unit III	भारतीय वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय एवं महत्व।	13
	Class Room Lectures, Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.	37 08 Total- 45

Suggested Readings:

1. भारतीय ज्योतिष, श्री नेमिचन्द्र शास्त्री
2. वेदांग ज्योतिष, टी० एस० कुरियन
3. ज्योतिष विवेक, आचार्य वेदव्रत मीमांसक
4. ज्योतिष रुद्र प्रदीप आचार्य रुद्रदेव, संपादक—डॉ० जगन्नाथ जोशी
5. ज्योतिष तत्व (भाग 1 एवं 2), प्रो० प्रियव्रत शास्त्री
6. ज्योतिर्विज्ञान सन्दर्भ समालोचनिका, प्रो० बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
7. वृहत् संहिता, अच्युतानंद झा(अनु०), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
8. वृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट(अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
9. भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी(अनु०), हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश
10. भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्वनारायण झा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
11. ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली
12. भुवन कोश, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली
13. ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त एवं ज्योतिष चंद्रिका—सम्पादक गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन,

दिल्ली

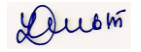


Vocational/Skill Enhancement Courses

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme : Certificate course in Arts-Sanskrit-Bhartiya Jyotish Vigyan		
Subject: Sanskrit	Year : 1, Semester : II	
Course Code:SAN/UGV02	Course Title: भारतीय ज्योतिष विज्ञान-II (ज्योतिष चंद्रिका)	
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि		
<ul style="list-style-type: none">● भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।● विद्यार्थी भारतीय ज्योतिष विज्ञान से परिचित हो सकेंगे।● ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।● व्यवहारिक जीवन के लिए उपयोगी दिन, सप्ताह, पक्ष, मास, अयन, ऋतु वर्ष एवं उत्सव आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।● पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।● आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम होंगे।		
Credits : 3	Vocational/Skill Enhancement Courses	
Max. Marks: 25 (Internal)+75 (External) = 100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (In hours per week) : 3-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	ज्योतिष चंद्रिका-परिचय, संज्ञा प्रकरण-श्लोक 01 से 40 पर्यन्त-श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी।	14
Unit II	ज्योतिष चंद्रिका-संज्ञाप्रकरण श्लोक 41 से 80 पर्यन्त-श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	13
Unit III	होडाचक्रम का सामान्य परिचय।	10
	Class Room Lectures	37
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.	08
		Total- 45

Suggested Readings:

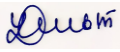

- ❖ भारतीय ज्योतिष, श्री नेमिचन्द्र शास्त्री
- ❖ ज्योतिषचंद्रिका, रेवतीरमण शर्मा, (सं०) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
- ❖ वेदांग ज्योतिष, टी० एस० कुरियन
- ❖ ज्योतिष विवेक, आचार्य वेदव्रत मीमांसक
- ❖ ज्योतिष रुद्र प्रदीप आचार्य रुद्रदेव, संपादक-डॉ० जगन्नाथ जोशी
- ❖ ज्योतिष तत्व (भाग 1 एवं 2), प्रो० प्रियव्रत शास्त्री
- ❖ ज्योतिर्विज्ञान सन्दर्भ समालोचनिका, प्रो० बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ वृहत् संहिता, अच्युतानंद झा(अनु०), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- ❖ वृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट(अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
- ❖ भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी(अनु०), हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश
- ❖ भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्वनारायण झा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नईदिल्ली
- ❖ ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली
- ❖ भुवन कोश, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली
- ❖ ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त एवं ज्योतिषचंद्रिका-सम्पादक गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली



Vocational/Skill Enhancement Courses

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme : Diploma course in Arts-Sanskrit-Bhartiya Jyotish Vigyan		
Subject: Sanskrit	Year : 2, Semester III	
Course Code: SAN/UGV03 Course Title: भारतीय ज्योतिष विज्ञान-III(पंचांग, मुहूर्त एवं राशियाँ एवं फलादेश)		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि <ul style="list-style-type: none">● भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी।● विद्यार्थी भारतीय ज्योतिष विज्ञान से परिचित हो सकेंगे।● ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।● व्यावहारिक जीवन के लिए उपयोगी दिन, सप्ताह, पक्ष, मास, अयन, ऋतु वर्ष एवं उत्सव आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।● पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।● आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम होंगे।		
Credits : 3	Vocational/Skill Enhancement Courses	
Max. Marks: 25 (Internal)+75 (External) = 100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (In hours per week) : 3-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	पंचांग देखने एवं निर्माण करने की विधि-परिचय एवं प्रक्रिया।	12
Unit II	पंचांगानुसार मुहूर्त निकालने की विधि का सामान्य अध्ययन। राशियों का परिचय एवं सामान्य अध्ययन, राशीश का निर्धारण एवं विवेचन।	15
Unit III	राशि में द्वादश भाव एवं फलादेश की गणना।	10
	Class Room Lectures, Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.	37 08 Total- 45

Suggested Readings:

- ❖ भारतीय ज्योतिष, श्री नेमिचन्द्र शास्त्री
- ❖ वेदांग ज्योतिष, टी० एस० कुरियन
- ❖ ज्योतिष विवेक, आचार्य वेदव्रत मीमांसक
- ❖ ज्योतिष रुद्र प्रदीप आचार्य रुद्रदेव, संपादक-डॉ० जगन्नाथ जोशी
- ❖ ज्योतिष तत्व (भाग 1 एवं 2), प्रो० प्रियव्रत शास्त्री
- ❖ ज्योतिर्विज्ञान सन्दर्भ समालोचनिका, प्रो० बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा(अनु०), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- ❖ बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट(अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
- ❖ भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी(अनु०), हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश
- ❖ भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्वनारायण झा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नईदिल्ली
- ❖ ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली
- ❖ भुवन कोश, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली 
- ❖ ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त एवं ज्योतिष चंद्रिका-सम्पादक गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली 

Vocational/Skill Enhancement Courses

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme : Diploma course in Arts-Sanskrit-Bhartiya Jyotish Vigyan		
Subject: Sanskrit		Year : 2, Semester : IV
Course Code: SAN/UGV04 Course Title: भारतीय ज्योतिष विज्ञान-IV(इष्टकाल, जन्म कुण्डली निर्माण एवं वास्तु विचार)		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि		
<ul style="list-style-type: none"> ● भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी। ● विद्यार्थी भारतीय ज्योतिष विज्ञान से परिचित हो सकेंगे। ● ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी। ● व्यवहारिक जीवन के लिए उपयोगी दिन, सप्ताह, पक्ष, मास, अयन, ऋतु वर्ष एवं उत्सव आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। ● पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा। ● आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम होंगे। 		
Credits : 3		Vocational/Skill Enhancement Courses
Max. Marks: 25 (Internal)+75 (External) = 100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (In hours per week) : 3-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	इष्टकाल निकालने की विधि, लग्न निकालने का ज्ञान (राशि के अनुसार)।	13
Unit II	जन्म कुण्डली निर्माण की विधि।	12
Unit III	वास्तु शास्त्र के अनुसार भवन निर्माण पद्धति विचार तथा विविध वास्तु-दोष	12
	Class Room Lectures, Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.	37 08 Total- 45

Suggested Readings:

- ❖ भारतीय ज्योतिष, श्री नेमिचन्द्र शास्त्री
- ❖ वेदांग ज्योतिष, टी0 एस0 कुरियन
- ❖ ज्योतिष विवेक, आचार्य वेदव्रत मीमांसक
- ❖ ज्योतिष रुद्र प्रदीप आचार्य रुद्रदेव, संपादक-डॉ0 जगन्नाथ जोशी
- ❖ ज्योतिष तत्व (भाग 1 एवं 2), प्रो0 प्रियव्रत शास्त्री
- ❖ ज्योतिर्विज्ञान सन्दर्भ समालोचनिका, प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ वृहत् संहिता, अच्युतानंद झा(अनु0), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- ❖ वृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट(अनु0), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
- ❖ भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी(अनु0), हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश
- ❖ भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्वनारायण झा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नईदिल्ली
- ❖ ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली
- ❖ भुवन कोश, त्रिपाठी देवीप्रसाद, दिल्ली 